

यनम॥यगिस॥वलि॥ ॥ गमावन्नदवयुऊन॥ आ॥ धावसक॥ यादि॥
 मूसास्नायनम॥ मयूनास्नायनम॥ सदास्नायनम॥ जगदावदूक॥ याग्नि॥ शु
 रास्नायनम॥ निशु॥ रास्नायनम॥ हं॥ रास्नायनम॥ अ॥ वद्वायन॥ कै॥ वं॥ नैय
 यं॥ ००॥ यादिमनुनवका॥ न्यादिमाह॥ कायू॥ ऊ॥ य॥ ०॥ वलि॥ य॥ नास्नायनम॥
 ज॥ दं॥ दं॥ दं॥ निख॥ व॥ च्च॥ न॥ दं॥ श॥ व॥ वा॥ यनम॥ वलि॥ गमा॥ ज॥ यं॥ व॥ य॥ नास्नायनम॥
 न॥ आ॥ गायी॥ ०४॥ समायूक॥ श॥ व॥ वं॥ म॥ न॥ ग॥ र॥ कं॥ अ॥ व॥ व॥ कं॥ क॥ ल॥ स॥ वं॥ दृ॥ दृ॥

यदृष्टं यदृष्टं
 यदृष्टं यदृष्टं

2/12

I

दवगाङ्गी श्रीमन्मुदवगाङ्गी शुं मन्मुदवगाङ्गी ओम् मन्मुदवगाङ्गी नः
मसिद्धं अ० आ० ॐ उडु ज० म० ८७ ननञओ अ० अ० ४ कखगघङ चक
ऊम अ० ८० उरदा नथदधनयरुवरुमयबलवशषसरुक्र ४॥ श्री क
र्मदेवीविद्यायी ० सककाठ श्रमीमहामनु ० मायजावलियृद्वा स्वाहा
॥ त्वा कमरावलिनधूनके ॥ आवा द्य ॥ थानिमूडा ॥ विद्य नय ३ ॥ धूय दीः
य भाहु निरु ॥ नेवय ॥ जाय ॥ हौ स्वाहा ॥ श्री देवी स्वाहा ॥ थो स्वाहा ॥ धाव

१०॥ मूं साहा ॥ ७४ ॥ नवात्मा ॥ मूं साहा ॥ मूं साहा ॥ ७४ ॥ मूलया ॥ विः
 यिचूं मूं साहा ॥ १० ॥ चन्द्र ॥ कालिया ॥ १० ॥ वि
 यून यून्या ॥ निर्वोदा ॥ ७४ ॥ युद्धादिहादी ॥ भाग ॥ संवर्त्ता ॥ विमू
 र्गमेहामो यून्या विदवत्तुनिसक नखाया ॥ अङ्गगन्धादि ॥ नयेदा ॥ नका
 नका ॥ अम्बयूवे ॥ ॥ अथमावाथानविधि ॥ रूलसस्त्रिकथायादग ॥ नृ
 मच्चुनादि ॥ दीपनाहवद्धा ॥ चतुर्संस्कार ॥ निविद्धनादिमूलमनुदा ॥ चैर्दीर्घा

खूं झूं रंगवनि अम्रं झूं मूं कृत्तिक मूं मूं मूं वलमकुल अथायामखी कूं
 किं निश्चिदं झूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं खूं
 यादकां यूज्यामि ॥ यादकां ॥ नं किं निश्चिदं कादनामयं अनन्तं किं अस्मा
 यरुह ॥ अस्मन्नाठका ॥ कवचमले ॥ अवरु ॥ वलमकुल अथायामखी
 वदन्त्याये स्वगन्तु कवचाये ॥ धृष्टवत्सका ॥ साधनय ॥ शिगलना ॥ अस्मन्
 त्वायवदन्त्याये ॥ नाकि ॥ नं विद्यागत्वाय विष्णु वयादकां ॥ द्वाद ॥ नं विद्यागत्वा

यन्दाययादकां ॥ मूक्ति ॥ सरूं ॥ आनमि ॥ यमिस्का ॥ धृष्टवत्सका ॥ लासा लावयान
 गलसस्त्रिकसं ॥ यादनादि वदुस्का ॥ यून ४ साधनय ॥ नं आत्मगत्वायवदन्
 नयादकां ॥ द्वाद ॥ नं विद्यागत्वाय विष्णु वयादकां ॥ मूक्ति ॥ नं विद्यागत्वाय
 दकां ॥ नं यद्वेदनय ॥ लाहानयानयूनक ॥ स्वस्त्रिकयाय वं नन ॥ यूजन ॥ नं
 धर्मायानमः ॥ जव ॥ अधर्मायानमः ॥ अथाय वदन्त्याये सीतया ॥ अ
 मूं मूं ॥ मूलविद्या ॥ मूलम ॥ संयूक्त ॥ धृष्टवत्सका ॥ साधनय ॥ द्वाद

मूं मूं
 मूं मूं

निवसजयनय २

॥ अङ्ग ॥ पादसं॥ नैऋत्यं सिद्धायोपायद्वययादृकां ॥ यमसं॥ नैऋत्यं अक्षयोजान
द्वययादृकां ॥ खत्रसं॥ नैऋत्यं विष्णुनाथेऽनन्दययादृकां ॥ शानीसं॥ नैऋत्यं लक्ष्मी
शेयुद्धयादृकां ॥ नरसं॥ नैऋत्यं दीकार्येनाशोपादृकां ॥ नृगसं॥ नैऋत्यं मालिनी
शेद्वययादृकां ॥ काथसं॥ नैऋत्यं निवार्येकल्लयादृकां ॥ खत्रसं॥ नैऋत्यं वसु
मखायैमूरवयादृकां ॥ क्रसं॥ नैऋत्यं नृसोममाशेनाशयुद्धययादृकां ॥ क्रस
यागसं॥ नैऋत्यं कटकटार्येकल्लययादृकां ॥ ॥ नैऋत्यं रुद्रिकल्लयि

द्वययादृकां ॥ ॥ नैऋत्यं ४ मुखनिवार्ययादृकां ॥ निदादशङ्कन्यास ॥
वलिधर्न ॥ ॥ अङ्ग ॥ न्यास ॥ यमसं॥ सवेरुणाद्वययादृकां ॥ नैऋत्यं अमृत
नेआमालिनीगृहिसिद्धययादृकां ॥ नैऋत्यं अत्रदवदनिअनादिवाधनिखा
येवाषट् ॥ नैऋत्यं वज्रिदिवद्धाधरायसुमेककवययदृ ॥ नैऋत्यं नावांनिख
अल्लयगकि ४ सहस्रकआमिन्ननयययायवषट् ॥ नैऋत्यं ४ नमस्तुभ्यं अन
कशकिजिलीदूं महायाधुयनाकायसहसाकायदूं रुद्र ॥ अङ्ग ॥ न्यासधन

वलि॥ अवलान् अरु नञा दाव खवलान् धूनञा दाव गाठ दयाय॥ नैञय
थिगत्वाधिकात्र निखास्मान् यादकी॥ नैञ अयगत्वाधिकात्र विच्छस्मान्
यादकी॥ नैञ नञगत्वाधिकात्र ददिस्मान् यादकी॥ ददि॥ नैवायगत्वाधिका
त्र नारिस्मान् यादकी॥ नारि॥ नै आकासगत्वाधिकात्र युक्कस्मान् यादकी॥ यु
क्क॥ नैञ वद्वगत्वाधिकात्र जानूदय यादकी॥ जानू॥ नैञ विष्णुगत्वाधिका
त्र याददय यादकी॥ यादो॥ नैञ ब्रूदगत्वाधिकात्र रुक्कदय यादकी॥ मृष्टि

संद्यात्र शिनि॥ लाम विलामन॥ धरु गाठ द॥ मूलखठञ॥ रुगवनि अमैव कुं
दकमलयै सर्वस्मान् ददयाये नम ॥ मूं॥ कृष्टि ककुल दीयाये रुफि नि
वसंस्त्रा द॥ मूं॥ मूं॥ वव्वल निखाये अ नदिवाध निखाये वाषट्॥ वल
मकुल अथात्रामरवीवदू वूयाये स्वगन्तु कवचाय दू॥ मूं॥ मूं॥ मरुन्नात्रिका
ये निरुमलूफ शाकि न नययाय वषट्॥ किमि २ विष्टे काकनाखाये अन्न नशकि
अस्माये रुट्॥ धनं वलि॥ नै मालीनी न्यास॥ नैञ ननादिभ्यो निखायी यादकी॥

नैऋतयसुनोदुर्द्धनिधामात्रायायादू ॥ ५ अष्टीकललाठयादूकां५क्षी
 नैऋतमनिवृत्त्यैयूवेनिधामात्रायायादूकां नैऋत आ अननमधुलवकुयादूकां५
 नैऋतसयनिष्ठायैदक्षिणनिधामात्रायायादूकां नैऋत० सूक्ष्मीशदक्षिणननयादूकां५
 नैऋत विद्याशेठरुत्रनिधामात्रायायादूकां नैऋत० ग्रीणिमूर्त्तीशवामननयादूकां५
 नैऋत हृणशैयश्चिमनिधामात्रायायादूकां नैऋत ड अमबीशदक्षिणकक्ष्यादूकां
 नैऋत चचामधुशेनिगीयननयादूकां५॥ नैऋत ड अष्टीशवामकक्ष्यादूकां॥५

नैऋतधिययदक्षिणननदययादूकां५ नैऋतमनिथीशदक्षिणनासायूठयादूकां
 नैऋतधनात्रायैवैवैदययादूकां५ नैऋतस सावकुनिधामनासायूठयादू
 नैऋत ड माहमोदक्षिणकक्ष्यादूकां५ नैऋत० सुनूदक्षिणगधुयादूकां५॥
 नैऋत ड यद्वायैवामकक्ष्यादूकां५ नैऋत हृववामगधुयादूकां५॥
 नैऋत० युद्धशैनासायूठययादू नैऋतनमनिस अष्टादसनयकोयादू
 नैऋतववजि(वैवकुयादूकां५॥ नैऋतनैरुकिशडुद्धसनयकोयादूका

नैऋतकैकटायोदद्वययादूकां नैऋतसंज्ञाजान्मृध्यादूकां ॥ ७
नैऋतकालिकायेडद्वयनयकोर्यं नैऋतानुराहीषडद्वययादूकां ॥
नैऋतगङ्गितारोअध्याद्वयनयकोयादू नैऋतार्कप्रगालूमध्यादूकां ॥
नैऋतध्याषारोडद्वययादूकां ॥ नैऋतअमरासनजिह्वायां दूकां ॥
नैऋतद्वीवारोअध्यादूकां ॥ नैऋतकाधदक्षिणस्कध्यादूकां ॥
नैऋतगीमायाद्वीजिह्वायां दूकां ॥ नैऋतवधुदक्षिणवादूदधुयादूकां

नैऋतअवागन्धयोवाचार्यायादूकां ॥ नैऋतययचधुदक्षिणरुसमनिवन्ध्या
नैऋतवज्रिखिवादिनीकध्यादूकां ॥ नैऋतयजितदक्षिणरुसयादूकां ॥
नैऋतरुसीषध्यादक्षिणवादूगिरिव नैऋतनकचूददक्षिणरुसकवीरु
नैऋतयवायुवगयेवामवादूगिरिव नैऋतचूर्मवामस्कध्यादूकां ॥
नैऋतलामायोदक्षिणवादूदधुयादू नैऋतचूर्मकनैववामवादूदधुयादू
नैऋतरविनायेश्वरवामवादूदधुयादू नैऋतचूर्ममुखवामरुसमनिवन्ध्या

नैज आ आमाशेयरादययादू कांज ॥ नैज यलादिनदक्षिणयादू कांज ॥
नैज सलवायरोडदययादू कांज ॥ नैजरु गिखीगवामयादू कांज ॥
नैज द्वागंहावि (छे) नरिम (ध्र) यादू कांज ॥ नैज व च्छगल यृष्टव (ग) यादू कांज ॥
नैज ममहा कालोनिगभं यादू कांज ॥ नैजरु द्विदधुनारिम (ध्र) यादू कांज ॥
नैज नकुसुमायुधयेयुं यादू कांज ॥ नैज ममहा कालद्विदम (ध्र) यादू कांज ॥
नैज अंशुकायवीशुकं यादू कांज ॥ नैज रावालीगतचम (ध्र) यादू कांज ॥

नैज गतायादवीडयययादू कांज ॥ नैज वरुडं गीवकं यादू कांज ॥
नैज लहानायोदक्षिणानोयादू कांज ॥ नैज लयिना कीगमां सयादू कांज ॥
नैज क्रियासेवामजानूनियादू कांज ॥ नैज वरुडानन्द स्यायु म (ध्र) यादू कांज ॥
नैज अगाराश्रीदक्षिणार्ज्यायीयादू कांज ॥ नैज अतकानन्द अस्मिम (ध्र) यादू कांज ॥
नैज अंशुकायवीशुकं यादू कांज ॥ नैज ससगानंदमर्कूनियादू कांज ॥
नैज ददरुनोदक्षिणयादयादू कांज ॥ नैज सरु (ग) शुकं यादू कांज ॥

नमोऽस्तु त्वाविष्टे वामयादयदूर्कां नमोऽस्तु लाकलीशयाध्याध्यादूर्कां ॥
 नमोऽस्तु श्रीमालनीधवीयादूर्कां ॥ ५ ॥ नमोऽस्तु सर्वरुकायादीयुद्धयं धिम
 मालिन्यास ॥ ५ ॥ ध्यादूर्कां पूजयामि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासिष्ठे न वरुणाय काय
यादूकीयूज्यामि॥

[illegible]

[illegible]

कां॥ॐ निधात्रिकास्तथास॥ ॥क७॥नें७ चूं चूं मरुकाविकाथे कोसूं
कलाधिसांसीसूं मूं विगुडसाकिदीषेयकनियूत्रिखजीशानन्ददवयाद
का॥द्वय॥नें७ चूं द्यात्र अद्यात्र अद्यात्रामखीवदूत्रयाथेकेसूंमन्का
धिकांकीकूं कूं अनादुनकाकिनीथेगुलायूनी श्वानन्ददवयादकां॥
नाशो॥नें७ चूं द्यां द्यां दूं वचत्रलिखदूं सूं वक्ष्मिधिलालीलूं नूं मलियू
वकलाकिनी येमहायूनीफ क्षीशानन्ददवयादकां॥लिगे॥नें७

धुं कृत्ति काये कृ लदा पाये को मू या दा धि वां वी वूं वूं सा धि स्नान वा कि ला
ये धि पू वी अ नू गृ ही ग न न्द द व पा दू को ॥ सु ठं ॥ नं ज न मा रु ग व नि
द ल्क म ला ये को नू रु व ना धि ठां ठी यूं अं आ धा व कि नी ये म न यू वी मि
ग न न्द द व पा दू को ॥ सु म धा ॥ नं ज कि ॥ वि श्वि त्त का द्वा ये द्वा ४ युं न
सा धि हां हां दू यूं आ हां हां कि नी ये यू वी धी अ र व धी ग न न्द द व पा दू को
॥ ल ला ट ॥ नं ॥ ज यो यी यू यू ल ला ट य द्वा ली ये यू वी धी अ र व धी

ग न न्द द व पा दू को ॥ आ दि स क र्क ना स ॥ मूल वि शान यू ज न ॥ जा य ॥ सु
नि ॥ स म्भ र्क ॥ य नि स्का ॥ शि व स द्वा य क ॥ द व स क पा रू य क ॥

ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ नासिय ॥ ॐ आत्मनः त्वाय स्वाहा ॥ ॐ विः
 स्वात्मनः त्वाय स्वाहा ॥ ॐ शिवनः त्वाय स्वाहा ॥ स्वात्मनः त्वाय स्वाहा ॥
 अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ दिग्गन्धर्वः
 ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥
 नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥
 ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥
 नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥
 ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥
 नमः शिवाय नमः शिवाय ॥ ॐ अथ यन्मन्त्रं श्रुत्वा ॥ नमः शिवाय नमः शिवाय ॥

ॐ ह्रीं क्लीं ॥ कर्म न्यास ॥ ॐ ग न्यास ॥ वै हृदयाय नमः ॥ क्लीं गिरि सुहा
 ॥ ह्रीं शिखायै नमः ॥ वै कवचाय नमः ॥ क्लीं नग्नयवाय नमः ॥ श्रीं पुष्पाय नमः ॥
 ॥ १ ॥ ततो ऊच्यते ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ शिवाय नमः ॥ वायव्याय नमः ॥ त्रैलोक्ये नमः ॥
 नमः ॥ ह्रीं सुखाय नमः ॥ श्रीं सुखाय नमः ॥ लंखनं ॥ लंखनं
 न ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥
 नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥
 गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥ गंगावती नमः ॥

कवीदिग्दुम्भहवावाकवीभिमहगन्नाकवीयथाकयाग॥२॥स्वानभुव्यासंग॥
॥जुय्यागस्त्यन॥शिकानयकुप्रसथाय॥मावसे॥३॥अभिमधुलायनमा॥क्रीस
यमधुलायनमा॥सोसासमधुकेलायनमा॥जुय्यागस्त्यन॥यागर्थन॥४॥
धुखधुसंरुगैमसरयन॥संरुवैआधुमिगमहायागैयियखप्रसमे॥रुवै॥वकुस
काय॥मूलननित्रीव्यायामि॥५॥अधुमायरु॥६॥नममुद्रावक्षा॥वक्षननयुजा
॥७॥सं॥सं॥सं॥सं॥यप्रत्तायनमा॥आवाहनदि॥यानिमुद्रावक्षा॥रुगलुहि॥आ
त्मयजा॥८॥वैद्यननमा॥क्रीअधुमिगमहायागैयियखप्रसमे॥रुवै॥वकुस
काय॥मूलननित्रीव्यायामि॥५॥अधुमायरु॥६॥नममुद्रावक्षा॥वक्षननयुजा

॥१॥सर्वजनमाहनी॥२॥नयनधवक॥३॥यननिवाद्यागप्रयकिंकात्रीक
यादुकांयुज्यामि॥४॥नययामिनम॥५॥दिवायाय॥६॥मानायाय॥७॥जुमुकान
न्दगुनुथी॥८॥आसनगयदप्रस॥९॥आमागमकययादुकी॥१०॥अननारतायवा
ककास्ताययादुकी॥११॥नातास्ताययादुकी॥१२॥वनास्ताययादुकी॥१३॥कसदास्ताय
यादुकी॥१४॥कर्हिस्ताययादुकी॥१५॥अमास्ताययादुकी॥१६॥यनास्ताययाः
॥१७॥अनाआवाहनयाय॥१८॥प्रियन्ममुद्रान॥१९॥महायक्षवनाकर्हिकायनानहु
विग्रह॥सर्वरुगैमसरयन॥संरुवैआधुमिगमहायागैयियखप्रसमे॥रुवै॥वकुस
काय॥मूलननित्रीव्यायामि॥५॥अधुमायरु॥६॥नममुद्रावक्षा॥वक्षननयुजा

Widhi Widhi
79

आशा ब. ७९	
2112	I
ASHA ARCHIVES	

॥ श्री अनामिका ॥ श्रीममैनियत्रक ॥ नै आधाय ॥ नमो अङ्ग न्यास ॥ नम
४ असन ॥ नै आदिना थास्नायनम ॥ श्रीरुद्रवना थास्नायनम ॥ श्रीभा
मना थास्नायनम ॥ श्री आवरु कना थास्नायनम ॥ श्रीमद्वयगीसना
थास्नायनम ॥ श्रीमिमुग्गजिनायवि आसन ॥ यूनमूलना ॥ नै किलि
२ विश्वका कनाम्नाय अन्नक ॥ श्री अस्माय रुद्र ॥ ६ ॥ कृष्णसाधन ॥ नै वा
मकनिष्ठिकायां ॥ श्री वाम अनामिकायां ॥ श्री वाममक्षमायां ॥ श्री वाम

ऊं यायां ॥ श्री वाम अंगुष्ठ ॥ यून ॥ रुद्रवनि ४ अङ्गुष्ठ यव्वच रुद्र ॥
अम्भक्षु नै नीयव्वगुय ॥ म्युं अङ्गिकमभंमायव्वगुय ॥ क म्युं अङ्गि
अना ॥ मि कायव्वगुय ॥ म्युं ॥ वल कनिष्ठियव्वगुय ॥ श्री वामकव
न्यास ॥ नभादक्रिनक ॥ म अल अङ्गुष्ठ यव्वच रुद्र ॥ श्री वामदङ्ग
नीयव्वगुय ॥ सिक्कं मंक्षमायव्वगुय ॥ किदि २ अनामिकायव्वगुय
॥ विश्वकनिष्ठिकायव्वगुय ॥ यून ॥ श्री दक्रिनकनिष्ठिकायां ॥ श्री दक्र

नामिकायां॥ श्रीदक्षमधुमायां॥ श्रीदक्षमधुमायां॥ श्रीदक्षमधुमायां॥ श्रीदक्षमधुमायां॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ ॥ रुगवनि अभ्युक्तं वक्राद्यै वाममनिर्वंधा॥
श्री कृष्ण कमारुध्वरो दक्षमनिर्वंधा॥ श्री श्री श्री श्री कामाश्री वामस्कृताः
पद्मवि॥ चलमकुलवेषु वीर्यस्कृताय वि॥ अथा वामस्त्री वा नाशकं वा
मरुताय वि॥ कौंक्षी नैद्याल्यै दक्षरुक्ताय वि॥ किलिश्चाम्बु वामक
चकल॥ विश्वमहालक्ष्मी दक्षकचकल॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ रुगवनि

अभ्युक्तं वक्राद्यै नैसिचसि॥ श्री कृष्ण कमारुध्वरो नैवकु॥ श्री श्री श्री
कामाश्री नैवकु॥ चलमकुलवेषु वीर्यस्कृताय वि॥ अथा वामस्त्री
वा नाशकं वा नाशकं॥ कौंक्षी नैद्याल्यै दक्षरुक्ताय वि॥ किलिश्चाम्बु नैवकुः
नूद्यथ॥ विश्वमहालक्ष्मी नैवकु उद्यथ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥ रुग
वनि अभ्युक्तं वक्राद्यै नैसिचसि॥ श्री कृष्ण कमारुध्वरो नैवकुः
क॥ श्री श्री श्री श्री कामाश्री नैवामास श्री क॥ चलमकुलवेषु वीर्यस्कृताय वि॥ द

कृष्णभा ॥ अथात्रामखीवावाक्ये नैवामजाभा ॥ कौं कौं नैव्या (लो) नै
दक्षयाद ॥ किंलि २ वाम (लो) नैवामयाद ॥ विश्वमरुलक्षी नैमलुल
॥ ॐ निवक्रु न्यास ॥ रगवनि अम्भे कृष्णमलाये ड द्वावक्रायने
॥ मूं कृष्णककुलदीपाये पूर्ववक्रा ॥ यने ॥ मूं मूं मूं पूर्ववक्रासिख
ये ॥ द्वावक्रायने ॥ वलमकुल अथात्रामखीवदू प्रयाये ड रुन
वक्रायने ॥ ॥ कौं कौं मरुनावि काये यश्चिमवक्रायने ॥ किंलि २ विश्व

का कृष्णाम्नाययनायवक्रायने ॥ ॐ निवक्रु न्यास ॥ रगवनि अम्भे
कृष्णककुलदीपाये सर्वज्ञाये द्वावक्रायने ॥ मूं कृष्णककुलदीपा
ये गृष्णिनिवमसारा ॥ मूं मूं मूं पूर्ववक्रासिख ॥ अनादिवाधः
निखाये वाषट् ॥ वलमकुल अथात्रामखीवदू प्रयाये स्वगुरु कववाः
यदू ॥ कौं कौं मरुनावि काये निखमलूफन किं नु गययायवषट् ॥ ॥
ॐ नि अम्भे न्यास ॥ ॥ रग अर्थयागसाधनं ॥ नैकालमलुलीयेविषे

षष्ठवासने ॥ ॥ गभा अर्द्धक लुलायनि सायम्काया ॥ मूलन निवीरु
न ॥ अश्विनयुक्ताल ॥ अश्विनगाठयन् ॥ कवचनावगुम्भय ॥ ४ ॥ ॐ
कीं सै सै सै सै सै कीं ननमलविद्यासंयुक्ता ॥ ध्यानमुदायय ॥ अनामि
कागुष्ठल (मनद दै शिदिता ॥ ननद व्यामन सर्वो यरुनं याक कवच
नागुम्भ ॥ ॐ य अर्थ यागसाधन ॥ ननमकुनदव्यननिलकं कावय ॥ ३
कालि आसवदि ॥ ॐ कीं सर्वो यरुविसमदि आसोदिनि आसिड लखि

ॐ कीं सर्वदः रलखि ॐ कवचायदू ॥ ॐ आत्मासनायनम ॥ मृ
गाङ्गिनायनि ॥ गगायुव शुद्धियुक्ता ॥ आत्मसिन्धवा कमणी गानवा ॥ ७
मिगी गानन्दनाथयायू ॥ ७ अङ्गिमानन्दनाथयायू ॥ ७ वल्ली गानन्दना
थयायू ॥ ७ वल्लीमानन्दनाथयायू ॥ ७ गूष्मी गानन्दनाथयायू ॥ ७ मि
गानन्दनाथयायू ॥ ७ अङ्गानन्दनौदवयायू ॥ ७ गगानन्ददवायायू ॥ ७
वाटली अम्नायायू ॥ ७ वन्दुगर्शनन्ददवरागावदवी वानावदवीम

क कं गीमकानन्दधवमरु लाम्बायायू ॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥ ५॥
मोमन्दधवयायू ॥ सरु जानन्दधवयायू ॥ निर्मलानन्दधवमदनाम्ब
यायू ॥ ५॥
ननयुवशुद्धि ॥ ५॥
यायू ॥ ५॥
आवर्तनाथयायू ॥ श्रीमरुयगीसनाथसनाथयायू ॥ ५॥

रु श्रीगानन्दनाथधवयायू ॥ डरु ५॥
यू ॥ ५॥
न्दनाथधवयायू ॥ दक्रि ५॥
वंष श्रीगानन्दनाथधवयायू ॥ यश्चिम ॥ ५॥
यू ॥ ५॥
न्दनाथधवयायू ॥ मधु ॥ ५॥

धवपादकां॥यूजयामी॥गिर्यांजलि॥वलिउयहावंदत्वा॥ॐगिर्यु
त्रमधुलयूजाविधि॥ ॥गनाकमार्जनंकावयम्॥होह्रींह्रींह्रीं
ह्रीं॥कलेश्वरीअम्नायायू॥ॐसांसीसूंसेसोसंस॥सिद्धेश्वरीअम्ना
यायू॥ॐयांयीयूंयेंथोय॥वत्तेश्वरीअम्नायायू॥ॐक्रोक्षीक्षीक्षीक्षी
क्षीक्षी॥विद्येश्वरीअम्नायायू॥ॐगिरिवंशदिचतुस्तकमोक्षयूज
नं॥ ॥ॐनेष्टीछष्टियानयी॥ॐमूषानाथमूषाम्नायायू॥ॐनेष्टी

कालेश्वरी॥ॐमूषानाथमूषाम्नायायू॥ॐनेष्टीयूर्द्धगिरि
यी॥ॐअग्निमनाथअग्निमनाम्नायायू॥ॐनेष्टीकामवृषयी॥ॐअ
मृगानिमनाथअमृगानिमनाम्नायायू॥६॥ ॥नमोअदितिका
नमश्चदक्षवामा॥ॐगिर्यी०चतुस्तक॥ ॥ॐश्रींश्रींनवा
न्मानन्दनाथधवपादकांयूजयामी॥ ॥गनाध्या॥न॥ॐ
वनाक्लसंयुक्तंयदयगविभूषितं॥वर्द्धकवृत्तसं॥ह्रींह्रींम

नुद्धिदसमविर्गं ॥ कलागुणविर्गं दिवं गन्तव्यं यत्किं यत्किं ॥ क
लायकं रसश्चाह ॥ शुद्धिर्गन्तव्यं ॥ कादिरानाच शुद्धिर्गन्तव्यं
सेव्यं सारिना ॥ गन्तव्यं मध्यमिकाय विमलाय कस्य कायिका ॥ वद
मल्लकनामाला ॥ आनिश्चयं क्रिया ऊन ॥ मित्रिवसिद्धानां साध
ः सदा रश्मि रश्मि ॥ उज्ज्वलमहोदयान् गन्तव्यं जालं सदादिर्गं ॥
द्विजुज्ज्वलाय वदना ॥ अरुयादा कश्चिन्मि ॥ मित्रास्स जगताय वी

अन्यान्त्रावनि लालसो ॥ रुलाश्चाले वनके श्रु ॥ अत्यानन्द सदादि
नो ॥ यी ० यी ० धिये योका मिथं रूपा विविक्तयन् ॥ गन्तव्यं उसा
नरुं द्वापि ॥ चिरि चो वृत्तं ॥ अध्वमुखं कर्तुं दिवं मध्यमं सूर्य
वर्त्म ॥ साष्टकपालविलौखाना ॥ अथावक लक्षणं सन् ॥ वलुयं ठाद
थायथा ॥ द्वापि ॥ गोवदलं मिना ॥ अध्वमुखं सुवर्षना ॥ अमृतं दिव्यम
रुयं ॥ वषणा साः सरु आयोः प्रावयन्ति उजा कर्म ॥ अमृतं नेवदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गयपूज्जु गिनीयी ॥ ० यूर्ध्वमाकनभीगनाथः
मरुनात्रिअम्बायायू ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ० का
मांक्रामामदधकनाथकाकनाम्बायायू ॥ ॥ नमो वरुणाय
नामिनेमहवायू ॥ यगवतुस्क ॥ ४ ॥ नमो मिनीगनाथयायू
॥ नमो अतिगनाथयायू ॥ नमो वसुगनाथयायू ॥ नमो वज्री
गनाथयायू ॥ नमो गुरूगनाथयायू ॥ ॥ नमो त्रिकाययू ॥

दियनंयकिक्कमन ॥ ॐ निमिगादिपश्रुवं ॥ नमो अनादिविम
लमार्गगीअम्बायायू ॥ नमो समयविमलसवनीअम्बायायू ॥ नमो
शीयागविमलयुलिच्छीअम्बायायू ॥ नमो सिद्धिविमलयम्यकाअम्बा
यायू ॥ नमो सर्वहविमलकुडिकाम्बायायू ॥ नमो आदिकान्तकम
॥ ॐ निविमलयश्रुवं ॥ ५ ॥ नमो विविधाम्बायायू ॥ नमो सुसूत्राम्बा
यायू ॥ नमो वसुाम्बायायू ॥ नमो मलियूवकाम्बायायू ॥ नमो वल्लभः

त्री अम्बायायू ॥ नमो वक्ष्ये दिक्कनकमन ॥ ॐ निखिंखि ल्यादि यश्च वै
॥ ५ ॥ नैधी अष्टिरानयी ॥ १० ॥ दयानन्दयव कलालीम्बायायू ॥ नैधी
जालधलयी ॥ १० ॥ दयानन्दयव कलाम्बायायू ॥ नैधी यूर्द्धगिविपी
॥ १० ॥ यवानन्दयव वक्षुखीम्बायायू ॥ नैधी कामवृयपी ॥ १० ॥ चन्दानन्द
यव डक्षुष्मायायू ॥ नैधी यवायवपी ॥ १० ॥ सूक्ष्मी सनाथमागङ्गीम्बाया
यू ॥ नमो विक्का नान्दी का लायवि कलाया नाथ अनिमो ॥ ५ ॥ नदय

॥ ॐ निपी ० यश्च वै ॥ ५ ॥ नैधी ययागमराक्षु ययागाम्बा अक्षु
मंगलनाथ अक्षु मंगलाम्बा अक्षु क्षान्याम्बायायू ॥ नैधी वक्षुक्षामे
राक्षु वक्षुक्षाम्बा ॥ १० ॥ लवर्द्धि कनाथ ॥ १० ॥ लवर्द्धि काम्बा कंमारु स्वयी
म्बायायू ॥ नैधी कालायवमराक्षु कालाम्बा डक्षु यागस्ववनाथ
डक्षु यागश्चर्याम्बा वैकोमावीम्बायायू ॥ नैधी अक्षु हासमराक्षु
अक्षु हासाम्बा सषरुहक्षु थसषरुहाम्बा टंवे सुवी अम्बायायू ॥ नै

धाउरानीमहाकुरुजयनिकाम्हा ८ वरुदनाथ ९ वरुदाम्हा नं
वावाहि अम्हायायू ॥ नं धी वविगुमहाकुरु वविगाम्हा नवकिलिः
किलिनाथ नवकिलिकिलिल्याम्हा यं १० दानीम्हायायू ॥ नं धी नका
सकमहाकुरु नकामकाम्हा अवकाववजुनी गनाथ अवकावः
नापि काम्हा यं चामृष्टिकादवाम्हायायू ॥ नं धी दवी काठमहाकुरु
नं दवी काठम्हा अं ववरीष ननाथ अम्हायाये अम्हा संमहालक्ष्मी

अम्हायायू ॥ नम अष्टात्रयूर्त्तदि ११ नानं संयूय ॥ ८ ॥ ११ निः
युयागसुक्तं ॥ नं १ कालिकालिमहाकालिमं ग ११ निगरीशाउः
नी द्वां द्वां द्वां न कुरु सुमुखीदवी मामा यशस्तु गगव ४ ददयद्वनी
अम्हायायू ॥ नं १ रुगवतिदसुवा मुलिनी मागवधिवराजनीखुः
द्वांगकपालेधननी दन २ द २ यव २ धम २ ममग रुनयस २ द्वा
द्वां निवादनी अम्हायायू ॥ नं १ द्वां द्वां द्वां निखाद्वनी अम्हाया

पू॥ नै ७ डलालि आसिमहि आ कीसर्वो पूरु विसवहि आ सोदिनि
आसि डलालि आ कीसर्वेद ४ लखि आ कवचदूनी अम्बायापू
॥ नै ७ को को नक मरुनक वामू लुचल्लि के लाल नै गदूनी अम्बा
यापू ॥ नै ७ झु मू गुदु कडि के दू रुट मम सचो पदव यं गम
नचू लो यथा ॥ १ ॥ गदि के यन कन का वयि न क विष्णु नि न सर्वो
न रुन २ द सा क बालि ॥ २ ॥ को दू ॥ ३ ॥ दू रुट अमुदूनी अम्बायापू ॥ ४ ॥

नम अत्र पूर्वो दिग्गी गनाने ॥ १ ॥ निदूनी खदू ॥ ३ ॥ नै धी नू नव
कामृ न वल्ल गरु शा गगामिनी च ४ सरु स काटि यागि लीरि ४ स
रु आ धा वच का रू गा व व दारु वना ध्व सा धन ॥ १ ॥ ठां ठीं ठूं ठूं ठां
कि ली रं झी सना था य झु मू गुदु कडि के आ धा व ठां ठीं ठूं ठूं ठां
ली यापू ॥ नै धी मू रु व ॥ १ ॥ नामृ न वल्ल गरु शा गगामिनी अ
४ सरु स काटि यागि ली ४ सरु स्वा धि खान रा वा व व व य दा ध्व ॥

धनं ॐ हूं वां वीं वूं वाकिणी खजी गनाथाय ॐ हूं गुह्य कः
दिक स्वाधिसूक्तानवा ॐ किणी पायू ॥ नैः ॥ हूं पा ॐ ॐ वामुगवः
नगरेशा गगमिनिषा ॐ स सैरु सुकोटिः गगिनी रिः ४ सरु नारि सु
नगस्काव वलवल्हो धसा धनं ॐ हूं मुं लाली लूं लूं लाकिनी विश्वना
थाय ॐ हूं गुह्य कः दिक मनियूं चूं वकलाकि पूनियायू ॥ नैः ॥ हूं
सर्मा ॐ ॐ मृगवत्तग रेशा गगमिनी दारिं गह सकोटि यागिनीः

रिः ४ सरु अनारुग स्कानम मन्ना वव नमन्ना धसा धनं ॐ हूं मुं हूं
कां कां कूं कूं काकिणी श्ववकि सनाथाय ॐ हूं गुह्य कः दिक चूं चूं
कमै नै चूं चूं चूं लौ किं अनारुग का ॐ ॐ किनियायू ॥ नैः ॥ हूं
गगनामृ गवत्तग रेशा गगमिनी व ॐ ४ षष्टि सरु सुकोटि यागिनी
रिः ४ सरु विष्णु द्विस्कान नो दा वन ॐ कला धसा धनं ॐ हूं मुं हूं सां सां
मुं मुं साकिनी धीमनाथाय ॐ हूं गुह्य कः दिक विष्णु चूं चूं द्वि सा

[illegible]

दवी २
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथे
यायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथेयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथे
निकोदवीयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथेयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथे
दवश्वधूनाथेयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथेयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथे
यायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथेयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथे
यायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथेयायू ॥ नैमीश्वरनाथदवश्वधूनाथे

यां॥ नैषी वायक नाथ देव यायू॥ त्रिकानाभ॥ नैषी ड घाठ नाथ दे
व यायू॥ गद (य)॥ ॐ निका लानी नादिय क्रु के॥ ५॥ नैषी वन्द्यु हायां
अवमु रुना ध अवयु रुनी अम्हा यायू॥ त्रिकानाम लुल वाम॥ नैषी
याफि दी यु हायां असवी व नाथ गुह्य वा धनी अम्हा यायू॥ दक्षिण
॥ नैषी गंखि दी यु हायां अक्ष व नाथ ऊननी अम्हा यायू॥ अ (ये)॥ ॐ नः
यु हायं॥ ३॥ नै डी नभारु गवनिणी आ ॐ के म हा रु व वी नृ रा २

ने ला कं वा ध य २ म हा काला मालिनि नै डी डी डू रु व २ स व २ रुं
रु २ वाम लु व व व नि ख खा हा॥ वाम॥ नै णी ले ले ये वि से मे॥ नै डी
नभारु गवनिणी कृ णि के म हा रु व वी कृ रु २ कारु य २ हा २ रि डि २
को २ डी ने ला कृ औ ठाम नाय किलि २ ग ऊ २ रु २ रुं म रु ना वि का
यी खा हा॥ दक्षिण॥ नै डी डी डू डी मा रु न्द रु व वी य किलि २ ग ऊ २
को २ कारु य २ को को कू को णी कृ णि का ख कमल म्हा यी खा हा॥

अथ ॥ ॐ निशागति या नमः ॥ ३ ॥ नैषी कुल कोलिनिविद्रु महा
 कामिनी धीमरु गन्ना कुडिय वाद या न ॥ नरेव वाम ॥ नैका कि नाका
 मिनिविद्रु विरु सारनी धीमरु गन्ना कुडिय वाद या न ॥ नैरुमा
 नैगिनी विद्रु कुल कोलिनी धीमरु गन्ना कुडिय वाद या न ॥ अथ
 ॥ ॐ नि सं ध्या नमः ॥ ३ ॥ ॥ जथा जया द वी या द कां ॥ जथा विज
 या द वी या द कां ॥ जथा अजि ना द वी या द कां ॥ जथा अय वा जि
 गदा वद क के उ या मि द क वाम सं पूर

ना द वी या द कां ॥ जथा उ मु नी द वी या द कां ॥ जथा रु मु नी द वी
 या द कां ॥ जथा भा रु नी द वी या द कां ॥ जथा आ क र्ष णा द वी या द
 कां ॥ ॥ अथ मूल विद्या यां गि का वाम ध्व सर्वो य वा नं सर्वो य विगि
 यां ऊ वि द वा ॥ ३ ॥ अथ नि षा द उ नै ॥ ज कुं कुं कुं नि षा न्व द
 न्य म रु रु व वा य या द कां पू ज या मि ॥ वि धा ॥ ॥ ज कुं म मा
 न य रु का य या द कां पू ज या मि ॥ व लि ॥ ॥ ज ३२ ज य नि मा रु द वा वि का

म
क
स